आदर्श कॉलेज, राजधनवार, गिरिडीह

B.A. (2019-22)

SEM - II

HINDI CORE - III (रीतिकाल)

सहायक अध्यापक (अनु.) - मनोज कुमार महतो

2

SET - 2

विषय - हिन्दी , Sem - IInd , Paper - III rd

प्रश्न - रीतिकाल के नामकरण पर संक्षेप में प्रकाश डालें।

उत्तर - रीतिकाल का समय सीमा वि. सं. 1700 - 1900 तक है। रीति काल का नामकरण अनेक विद्वानों ने भिन्न भिन्न नाम युगीन प्रवृत्तियों के आधार पर दिया है। ऐसे में नामकरण को लेकर समस्या उत्पन्न हुई कि रीति काल का नाम कौन सा उचित है - अलंकृत काल, कला काल, शृंगार काल या रीतिकाल।

सर्वप्रथम रीतिकाल को मिश्रबंधुओं ने 'अलंकृत काल' नाम दिया। उस काल में जो साहित्य रचा गया उस साहित्य की मूल प्रवृति में अलंकार की प्रधानता थी। अलंकार की प्रधानता होने के कारण इस काल का नाम अलंकृत काल रखा गया। परंतु परवर्ती विद्वानों ने 'अलंकृत काल' नाम पर आपत्ति व्यक्त की कि यह काव्य मात्र अलंकृत नहीं है, इसमें विभिन्न काव्यांगों समान स्थान मिला है। रीतिकवियों ने अलंकार को अपनाया अवश्य है पर अलंकार से कहीं ज्यादा बल रस पर रहा है, इसलिए अलंकृत काल उचित नाम नहीं लगता है।

रीतिकाल को पंडित विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने 'शृंगार काल' नाम दिया। उनका मानना था कि इस काल में शृंगार की एक बड़ी प्रवृति थी इसलिए इस काल को शृंगार काल नाम से पुकारा जाना चाहिए। इस नामकरण के संदर्भ में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का कथन है - "वास्तव में शृंगार

Scanned with CamScanner

और वीर छन्दों तो रसों की कविता इस काल में हुई है। प्रधानता श्रृंगार की ही रही। इसलिए इस काल को रस के विचार से कोई श्रृंगार काल कहे तो कह सकता है।" इस नामकरण पर भी आपत्ति जताई गई कि कवियों का उद्देश्य श्रृंगार रस की रचना करना नहीं था बल्कि अर्थ कमाने की दृष्टि से इस प्रकार की रचनाएँ कर रहे थे। अतः यह नामकरण भी उचित नहीं है।

डॉ. रमाशंकर ~~[illegible]~~ शुक्ल 'रसाल' ने रीतिकाल को 'कला काल' नाम दिया। इस काल में जितने भी साहित्य रचा गया उसमें कवियों का ध्यान कलात्मकता की ओर अधिक था। कविता के बहिरंग पक्ष सजाने संवारने में ध्यान देते थे। इसी कारण से इस काल को कला काल नाम दिया गया। इस नामकरण पर भी परवर्ती विद्वानों आपत्तियाँ दर्ज की कि कला काल नाम देने से भाव पक्ष की उपेक्षा हो जाती है अतः यह नामकरण उचित नहीं जान पड़ता।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकाल को 'रीतिकाल' नाम दिया। उन्होंने यह नाम रीति ग्रंथों की बहुलता के आधार पर रखा। रीतिकाल में रीति के सभी तत्वों का सर्वाधिक प्रयोग किया गया है। रीतिग्रंथों के कवि भावुक और सहृदय थे। अतः उनके द्वारा रसों और अलंकारों का सरस उदाहरण प्रस्तुत किए गए। इस दृष्टि से देखें तो यह नामकरण सभी नामों से उचित जान पड़ता है।

* * *

Scanned with CamScanner

SET II

B.A

विषय - हिन्दी समसत्र - द्वितीय

पत्र - तृतीय (रीतिकाल)

Date:
Page:

1. रीतिकालीन कवि किस प्रकार के कवि थे ?

क. दरबारी ख. क्रांतिकारी

ग. प्रदर्शनकारी घ. इनमे से कोई नहीं

उत्तर- क. दरबारी

2. रीतिकालीन कवियों का मुख्य उद्देश्य क्या था ?

क. राजाओं को नाराज करना ख. राजाओं को खुश कर धन प्राप्ति

ग. राजाओं को महत्व न देना घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- ख. राजाओं को खुश कर धन प्राप्ति

3. बिहारीलाल किस राजा के दरबारी कवि थे।

क. राजा जयसिंह ख. मुहम्मदशाह रंगीला

ग. अकबर घ. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- क. राजा जयसिंह

4. बिहारीलाल का जन्म कब हुआ था ?

क. 1623 ई ख. 1595 ई॰

ग. 1555 ई घ. 1550 ई

उत्तर- ख. 1595 ई

5. बिहारीलाल किस छंद में रचनाकिए

क. दोहा ख. सोरठा

ग. रोला घ. चौपाई

उत्तर क. दोहा

6. बिहारीलाल की एकमात्र ग्रंथ का नाम क्या है ?

Scanned with CamScanner

क. सूतसई ख. रस विलास
ग. दोहाकोश घ. इनमें से कोई नहीं
उत्तर क. सूतसई

7. बिहारीलाल के दोहे का मूलभाव क्या है?
क. शृंगार ख. भक्ति
ग. नीति घ. इनमें से सभी
उत्तर. घ. इनमें से सभी

8. घनानंद किस प्रकार के कवि है?
क. वियोग शृंगार के ख. संयोग शृंगार के
ग. विद्रोही घ. इनमें से कोई नहीं
उत्तर. क. वियोग शृंगार के

9. घनानंद किस राजा के आश्रय में रहते थे?
क. मुहम्मद शाह रंगीला ख. बूंदी नरेश
ग. औरंगजेब घ. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- क. मुहम्मदशाह रंगीला

10. "प्रेम के पीर" किस कवि को कहा जाता है?
क. बिहारी ख. घनानंद
ग. भूषण घ. देव
उत्तर- ख. घनानंद

11 घनानंद के प्रेमिका का नाम क्या था?

Scanned with CamScanner

Date :
Page :

क· सुजान ख· मालती
ग· प्रिया घ· इनमें से कोई नहीं
उत्तर - क· सुजान

12 घनानंद किस संप्रदाय में दीक्षित हुए ?
क· वैष्णव ख· निम्बार्क
ग· ब्रह्म घ· वल्लभ
उत्तर ख· निम्बार्क

13. 'बिहारी सतसई' मे कुल कितने दोहे संकलित है ?
क· 713 ख· 700
ग· 730 घ 750
उत्तर - क· 713

14. 'रसिक प्रिया' किसकी रचना है ?
क· बिहारी ख· रसखान
ग· केशव दास घ· भूषण
उत्तर - ग· केशवदास

15. 'रस विलास' के रचनाकार कौन है ?
क· घनानंद ख· बिहारी
ग· बेनी घ· देव
उत्तर - ग· बेनी

Scanned with CamScanner

आदर्श कॉलेज राजधनवार गिरिडीह

B.A. (2019-22)

SEM - III

HINDI CORE - III (रीतिकाल)

सहायक आचार्य(अनु)- सुनील कुमार महतो

Scanned with CamScanner

प्रश्न - रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर :- भक्तिकाल के बाद हिन्दी कविता में एक नया मोड़ आया जिसे रीतिकाल नाम दिया गया। इस काल का समय सीमा संवत- 1700-1900 तक माना जाता है। रीतिकाल में काव्यांगों के आधार पर काव्य रचना की जाती थी। काव्यांगों के अंतर्गत रीति सिद्धांत भी आता है। रीति का अर्थ होता है - पद्धति, शैली, मार्ग आदि। काव्यांग संस्कृत काव्यशास्त्र का विषय है। इसी काव्य शास्त्र के अंग का प्रयोग रीतिकाल में किया गया है। काव्यों में लक्षण ग्रंथों का समावेश होने के कारण इसे रीतिकाव्य भी कहा गया है।

रीतिकाल के कवि राजाओं के आश्रय में रहते थे। चूँकि तत्कालिक शासन मुगलों था। मुगल शासन काल में राजाओं को सुरा और सुंदरी प्रिय थी। इसी में मग्न रहा करते थे। ऐसे परिस्थिति में कवि राजाओं को प्रसन्न करने के उद्देश्य से श्रृंगार परक रचनाएँ किया करते थे। श्रृंगार परक भाव कवियों में जागृत नहीं होते थे बल्कि राजाओं को आनंदित करने के लिए इस तरह के भावों को व्यक्त करते थे। ऐसे वातावरण में लिखा गया अधिकतर साहित्य श्रृंगार मूलक से युक्त था। इसी काल में प्रेम के स्वच्छंद गायक भी हुए जिन्होंने प्रेम की गहराइयों का स्पर्श किया।

Scanned with CamScanner

रीतिकाल में वीरकाव्य भी लिखा गया। मुगल शासक औरंगजेब कट्टर सांप्रदायिकता और आक्रामक राजनीति की टकराहट से इस काल में जो विक्षोभ की स्थितियाँ आईं उन्होंने कुछ कवियों को वीरकाव्य लिखने की भी प्रेरणा दी। ऐसे कवियों में भूषण प्रमुख हैं जिन्होंने रीतिशैली को अपनाते हुए भी वीरों के पराक्रम का ओजस्वी वर्णन किया। इस प्रकार नीति, वैराग्य और भक्ति से संबंधित काव्य भी लिखा गया लेकिन प्रधानता शृंगार की रही।

शृंगार काव्य को तीन वर्गों में विभाजित किया गया। पहले वर्ग में रीतिबद्ध काव्य को रखा गया। जिसके अंतर्गत केशवदास, चिंतामणि, भिखारीदास, देव, मतिराम, पद्माकर आदि कवियों का नाम आता है। जिन्होंने दोहों में रस, अलंकार और नायिका के लक्षण देकर कवित्त, सवैये में प्रेम और सौंदर्य की कलापूर्ण मार्मिक व्यंजना की। दूसरा वर्ग रीतिसिद्ध काव्य है। रीतिसिद्ध काव्य के प्रतिनिधि कवि बिहारी लाल हैं। रीतिसिद्ध कवियों ने लक्षण निरूपित नहीं किए केवल इनके आधार पर काव्य रचना की। तीसरा वर्ग रीतिमुक्त काव्य है। इसके अंतर्गत घनानंद, बोधा, द्विजदेव, ठाकुर आदि कवि आते हैं जिन्होंने स्वच्छंद प्रेम की अभिव्यक्ति की है। इनकी रचनाओं में प्रेम की तीव्रता और गहनता की अत्यंत प्रभावशाली ढंग से व्यक्त हुई है।

* * *

द्वितीय समसत्र
पत्र - III
रीतिकाल

Date:
Page:

1. रीतिकाल का समय सीमा क्या है?
क. सं. 1050-1375 ख.) सं-1375-1700
ग. सं- 1700-1900 घ. सं. 1900 से अबतक
उत्तर - ग. सं. 1700-1900

2. रीतिकाल को 'अलंकृत काल' किसने कहा?
क. मिश्रबंधुओं ने ख.) रामचंद्र शुक्ल
ग. हजारीप्रसाद द्विवेदी घ. ग्रियर्सन
उत्तर - क. मिश्रबंधुओं ने

3. रीतिकाल को 'श्रृंगार काल' किसने कहा?
क. रामचंद्र शुक्ल ख. हजारीप्रसादद्विवेदी
ग. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र घ. त्रिलोचन
उत्तर- ग. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

4. रीतिकाल को 'कलाकाल' किसने कहा?
क. रमाशंकर शुक्ल रसाल ख. ग्रियर्सन
ग. त्रिलोचन घ. रामचंद्र शुक्ल
उत्तर - क. रमाशंकर शुक्ल रसाल

5. रीतिकाल को कितने काव्यधाराओं में विभाजित किया गया है?
क. एक ख. दो
ग. तीन घ. चार
उत्तर - ग. तीन

Scanned with CamScanner

6. रीतिकाल के अंतर्गत कौन - कौन सी काव्य धाराएँ आती हैं ?
क. रीतिबद्ध ख. रीतिसिद्ध
ग. रीतिमुक्त घ. इनमें से सभी
उत्तर - घ. इनमें से सभी

7. रीतिबद्ध काव्यधारा के अंतर्गत कौन कवि आते हैं ?
क. केशवदास ख. बिहारीलाल
ग. घनानंद घ. बोधा
उत्तर - क. केशवदास

8. रीतिबद्ध काव्यधारा के अंतर्गत कौन कवि नहीं आते हैं ?
क. बिहारीलाल ख. भूषण
ग. मतिराम घ. चिंतामणि
उत्तर - क. बिहारीलाल

9. रीतिसिद्ध काव्यधारा के अंतर्गत कौन कवि आते हैं ?
क. केशवदास ख. बिहारीलाल
ग. घनानंद घ. भूषण
उत्तर - ख. बिहारीलाल

10. 'घनानंद' किस काव्यधारा के अंतर्गत आते हैं ?
क. रीतिबद्ध ख. रीतिसिद्ध
ग. रीतिमुक्त घ. इनमें से कोई नहीं
उत्तर - ग. रीतिमुक्त

Scanned with CamScanner

11. रीतिमुक्त काव्यधारा के अंतर्गत कौन कवि नहीं आते हैं ?
क. घनानंद ख. बोधा
ग. ठाकुर घ. देव
उत्तर - घ. देव

12. रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकाव्य का प्रवर्तक किसे माना ?
क. चिंतामणि ख. केशवदास
ग. बिहारीलाल घ. गुमान
उत्तर - क. चिंतामणि

13. 'गागर में सागर भरने का काम' किस कवि ने किया है ?
क. बिहारीलाल ख. मतिराम
ग. घनानंद घ. पद्माकर
उत्तर - क. बिहारीलाल

14. रीतिसिद्ध काव्यधारा के अंतर्गत कौन कवि नहीं आते हैं ?
क. बिहारीलाल ख. घनानंद
ग. रसनीधि घ. नेवाज
उत्तर - ख. घनानंद

15. 'आलम' किस काव्यधारा के कवि हैं ?
क. रीतिसिद्ध ख. रीतिबद्ध
ग. रीतिमुक्त घ. इनमें से कोई नहीं
उत्तर - ग. रीतिमुक्त

Scanned with CamScanner